**संख्या- 48/2024/5711/41-2023/C.N.1767681-2023**

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0, लखनऊ।

**पर्यटन अनुभाग** **लखनऊ :: दिनांक 17 जनवरी, 2024**

विषय:- जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-6415/6-1-1(188)/2023-24, दिनांक 28.11.2023 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु नामित कार्यदायी संस्था कान्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज (सी0एण्ड डी0एस0) उ0प्र0 जल निगम द्वारा नये एस0ओ0आर0 के आधार पर रू0 635.34 लाख धनराशि का संशोधित आगणन गठित कर चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में मद संख्या-08-मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि में से प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य चयनित कार्यदायी संस्था सी0 एण्ड0 डी0 एस0 (उ0प्र0 जल निगम) द्वारा गठित आगणन धनराशि रु0 635.34 लाख के सापेक्ष पी0एफ0ए0डी0 द्वारा आंकलित धनराशि रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशित जी0एस0टी0 सहित) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा प्रथम किश्त के रूप में रू0 200.00 लाख (रू0 दो करोड़ मात्र) को निर्गत किये जाने की स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) प्रश्नगत प्रायोजना पर नियमानुसार धनराशि व्यय/आवंटन करने से पूर्व महानिदेशक कार्यालय द्वारा जिलाधिकारी की संस्तुति/सहमति प्राप्त कर लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(2) प्रश्नगत कार्य की निविदा में ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया लागू की जायेगी। ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स अनुभाग-2 के शासनादेश सं0 3/2017/1067/78-2-2017-42 आईटी/2017, दिनांक 12.05.2017 एवं समय-समय पर निर्गत शासन के अन्य आदेशों/निर्देशों में निहित शर्तों एवं प्राविधानों का अनुपालन पूर्णतया सुनिश्चित किया जायेगा।

(3) परियोजना का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व मानचित्रों को आवश्यकतानुसार स्थानीय विकास प्राधिकरण/सक्षम लोकल अथॉरिटी से स्वीकृत करा लिया जायेगा तथा नियमानुसार विभिन्न संस्थाओं से समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियां एवं पर्यावरणीय क्लीयरेन्स एवं सक्षम स्तर से प्राप्त कर लिया जायेगा एवं अन्य सम्बन्धित संस्थाओं/विभागों/प्राधिकरणों आदि से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(4) प्रश्नगत कार्य पर धनराशि का नियमानुसार व्यय टेण्डर लागत के आधार पर वास्तविक रूप से किया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है तो उसे राजकोष में जमा किया जायेगा।

(5) प्रश्नगत निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन तैयार कर सक्षम अधिकारी का अनुमोदन प्राप्त करने के साथ-साथ वित्तीय हस्त-पुस्तिका खण्ड-6 के अध्याय-12 के प्रस्तर-318 में वर्णित व्यवस्थानुसार प्रायोजना पर सक्षम स्तर के तकनीकी स्वीकृति के पश्चात ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा तथा उस पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात ही प्रायोजना के निर्माण हेतु दूसरी किश्त निर्गत की जायेगी।

(6) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2023/बी-1-227/दस-2023-231/2023, दिनांक-17-मार्च, 2023 तथा यथा संशोधित कार्यालय-ज्ञाप संख्या-10/ 2023/बी-1-302/दस-2023-231/2023दिनांक 19.09.2023 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात् स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नही दिया जायेगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे।

(7) प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में प्रामाणिक प्रपत्र जी0एस0टी0 इन्वायस एवं धनराशि के भुगतान का पूर्ण प्रमाणित विवरण सक्षम स्तर से महानिदेशक पर्यटन के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के अतिरिक्त लेबर सेस के रूप में प्रदान की गयी धनराशि श्रम विभाग को भुगतान किये जाने का प्रमाण पत्र कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उपलब्ध कराया जायेगा ।

(8) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्य की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(9) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा कार्य की आवश्यकता से अधिक धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध नही करायी जायेगी।

(10) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(11) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 (VII) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(12) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(13) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्य हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(14) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(15) अवमुक्त की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को कार्य की आवश्यकता एवं कराये गये कार्य की गुणवत्ता के अनुसार सम्यक् परीक्षण करने के पश्चात ही अवमुक्त की जाय तथा अवमुक्त की जा रही धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(16) प्रायोजना में स्वीकृति कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर प्रदान की जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स आदि सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(17) कार्य की विशिष्टियॉ, मानक एवं गुणवत्ता आदि की पूर्ण जिम्मेदारी महानिदेशक, पर्यटन एवं कार्यदायी संस्था की होगी तथा उनके द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हो जाय। इसके लिए परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017, दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा प्रायोजना का पर्टचार्ट कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को शीघ्र उपलब्ध कराया जाय।

(18) प्रस्तावित निर्माण कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व भूमि की वैधानिक उपलब्धता सुनिश्चित करा ली जायेगी तथा नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियॉ एवं पर्यावरणीय क्लीयरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त कर लिया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(19) सोलर लाइट/सौर ऊर्जा से सम्बन्धित लाइटों/उपकरणों का क्रय उ0 प्र0 नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण **(**UPNEDA**)** से नियमानुसार क्रय किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(20) प्रायोजनान्तर्गत निहित विशिष्टि प्रकार की लाइट फिटिंग्स एवं फिक्चर्स**,** जो बाजार दरों/कोटेशन पर आधारित हैं**,** की दरों को न्यूनतम एवं वास्तविक दरों पर कराये जाने का पूर्ण उत्तरदायित्व पर्यटन निदेशालय/कार्यदायी संस्था का होगा।

(21) प्रायोजनान्तर्गत प्रस्तावित बाट आउट आइटम के कार्यों हेतु पर्यटन निदेशालय/कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माताओं से प्रतिस्पर्धा के आधार पर क्रय एवं स्थापना सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर किया जायेगा।

(22) प्रायोजनान्तर्गत सेन्टेज चार्जेज (प्रतिशत प्रभार) , निर्माण लागत तथा वित्तीय स्वीकृति से सम्बन्धित वित्तीय प्रबन्धन के सम्बन्ध में वित्त (लेखा) अनुभाग- 2 के शासनादेश संख्या- 01/2023/ ए- 2-60/ दस- 2023-17(4)/75, दिनांक 17 मई , 2023 एवं शासनादेश संख्या- 02/2023/ ए- 2-66/ दस- 2023-17(4)/75, दिनांक 19 मई , 2023 में निहित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

(23) प्रायोजना में परिवर्तन जैसे-नये कार्यों को सम्मिलित करना, कार्यों के कार्य वृद्धि एवं अन्य उच्च विशिष्टियों का इस्तेमाल करना इत्यादि सक्षम स्तर का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना नही किया जायेगा।

(24) प्रायोजनान्तर्गत इन्टीरियर वर्क, वाटर फिल्टर, डेकोरेटिव लाइट फिटिंग्स एवं फिक्चर्स आदि में दरें कोटेशन/बाजार के आधार पर प्रस्तावित की गयी है। अतः क्रियान्वयन से पूर्व पर्यटन निदेशालय/कार्यदायी संस्था इस हेतु निर्माताओं से प्रतिस्पर्धा के आधार पर लागत दरें प्राप्त करे। पर्यटन निदेशालय/कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण के समय इनका क्रय एवं स्थापना सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर सुनिश्चित किया जायेगा।

(25) प्रश्नगत प्रायोजना में फर्नीचर रू0 17.73 लाख की लागत को व्यय वित्त समिति द्वारा अनुमन्य नही किया गया है। इस कार्य हेतु पृथक से प्रस्ताव वित्त विभाग को स्वीकृति हेतु उपलब्ध कराया जाय।

(26) प्रायोजनान्तर्गत प्रस्ताव में कतिपय कार्य पुराने स्ट्रक्चर को तोड़कर कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। ध्वस्तीकरण के पश्चात मलवे से प्राप्त धनराशि को सुसंगत वित्तीय नियमों के अन्तर्गत राजकोष में जमा कराया जायेगा।

(27) परियोजना के कार्य पूर्ण होने के उपरान्त परियोजना की क्लोजर रिपोर्ट एक पक्ष के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी । परियोजना की क्लोजर रिपोर्ट उपलब्ध न कराये जाने की स्थिति में उक्त कृत्य को अनियमितता मानते हुए सम्बन्धित परियोजना प्रबन्धक/अपर परियोजना प्रबन्धक एवं ठेकेदार के विरूद्ध नियमानुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ0आई0आर0) दर्ज कराने की कार्यवाही पर्यटन निदेशालय/सम्बन्धित क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी/ उपनिदेशक, पर्यटन द्वारा की जायेगी ।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय रूपये 2,00,00,000.00 (रूपये दो करोड़ मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 5452801040800 मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश कंप्यूटर द्वारा उत्पन्न संख्या-E-7-376-X-2023-24, दिनांक 28 दिसम्बर, 2023 में प्राप्त वित्त विभाग की सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

**<u>संख्या व दिनांक तदैव</u>**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2. महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3. निजी सचिव, मा0 मंत्री, पर्यटन विभाग, उ0प्र0 शासन।
4. जिलाधिकारी, सहारनपुर।
5. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6. प्रबन्ध निदेशक, सी0 एण्ड डी0एस0 (उ0प्र0 जल निगम), लखनऊ ।
7. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
8. उप निदेशक पर्यटन, मेरठ/सहारनपुर मण्डल, मेरठ ।
9. उप निदेशक (राज्य योजना), पर्यटन निदेशालय, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि कृपया क्रमांक-4, 5, 6, 7, व 8 को अपने स्तर से आदेश की प्रति प्रेषित करने का कष्ट करें।
10. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7
11. गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

**अनु सचिव**

कृपया नोट-2/13 तक अंकित टिप्पणी एवं नोट-12 पर संलग्न पी0एफ0ए0डी0 की टिप्पणी का अवलोकन करने का कष्ट करें।

2- प्रश्नगत पत्रावली में जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य के संबंध में कार्यवाही विचाराधीन है।

3- प्रश्नगत परियोजना के मूल्यांकन हेतु पत्रावली प्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग को सन्दर्भित की गयी थी। पत्रावली के 12 पर पी0एफ0ए0डी0 द्वारा प्रायोजना हेतु प्रस्तावित लागत रू0 635.34 लाख के सापेक्ष रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित) की धनराशि आंकलित की गयी है।

वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-3 के शासनादेश दिनांक 10.03.2021 में निहित व्यवस्था के तहत एकमुश्त बजट व्यवस्था के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु सक्षम स्तर से अनुमोदित कार्य योजना पर्यटन अनुभाग के आदेश सं0-आई/340477/41-1099/105/2022**,** दिनांक 28.06.2023 **(रिफरेन्स-1 )** द्वारा निर्गत की गयी है**,** जिसके मद संख्या-08-मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास के अन्तर्गत क्रमांक-313 पर अंकित है, जिसका अनुमानित लागत रू0 1000.00 लाख एवं अनुमानित व्यय रू0 200.00 लाख है।

4- प्रश्नगत परियोजना हेतु नोट-2 पर रक्षित भौतिक पत्रावली के पृष्ठ-2 पर कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज (सी0एण्ड डी0एस0) उ0प्र0 जल निगम को कार्यदायी संस्था नामित किया गया।

5- उल्लेखनीय है कि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-3 के शासनादेश सं0-2/2017/बी-3-1034-दस-2017-100(4)/2020-ब0मै0**,** दिनांक 21.11.2017 के प्रस्तर-2(2) में बजट मैन्युअल के पैरा-94 में निम्नवत् व्यवस्था की गयी है :-

''जहां धनराशि रू0 10.00 करोड़ से अनधिक हो वहां विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।''

6- उपर्युक्त वर्णित स्थिति के दृष्टिगत प्रश्नगत परियोजना जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु पी0एफ0ए0डी0 द्वारा मूल्यांकित लागत रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशित जी0एस0टी0 सहित) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा कार्य योजना में अनुमानित व्यय के अनुसार प्रथम किश्त के रूप में रू0 200.00 लाख (रू0 दो करोड़ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति लेखा शीर्ष 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय, 80-सामान्य, 104-सर्वधन तथा प्रचार 08-मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास, 24-वृहद् निर्माण मद से निर्गत किया जाना

प्रस्तावित है। तदुनुसार आलेख भी प्रस्तुत है। कृपया प्रस्ताव/आलेख पर वित्त विभाग का अनुमोदन/सहमति प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है।

तदुपरान्त प्रश्नगत परियोजना हेतु उपर्युक्त प्रस्तर-6 पर उ0 प्र0 बजट मैनुअल के पैरा-94 के तहत मा0 मंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

कृपया सहमति की दशा में यथा माध्यम प्रमुख सचिव महोदय का अनुमोदन प्राप्त करते हुए पत्रावली वित्त विभाग सन्दर्भित करना चाहें।

**<u>अनु सचिव</u>**

कृपया नोट सं0-2/34 तक अंकित टिप्पणी एवं नोट सं0-27/31 अंकित वित्त विभाग की टिप्पणी का अवलोकन करने का कष्ट करें।

2- प्रश्नगत पत्रावली में जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु नोट सं0-2 पर रक्षित भौतिक पत्रावली के पृष्ठ-2 पर कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज (सी0एण्ड डी0एस0) उ0प्र0 जल निगम को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए प्रस्तावित परियोजना का मूल्यांकन हेतु पत्रावली प्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग (पी0एफ0ए0डी0) को सन्दर्भित की गयी थी। पत्रावली के 12 पर पी0एफ0ए0डी0 द्वारा प्रायोजना हेतु प्रस्तावित लागत रू0 635.34 लाख के सापेक्ष रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित) की धनराशि आंकलित की गयी है।

3- उल्लेखनीय है कि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-3 के शासनादेश दिनांक 10.03.2021 में निहित व्यवस्था के तहत एकमुश्त बजट व्यवस्था के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु सक्षम स्तर से अनुमोदित कार्य योजना पर्यटन अनुभाग के आदेश सं0-आई/340477/41-1099/105/2022**,** दिनांक 28.06.2023 **(नोट सं0-15 का रिफरेन्स-1 )** द्वारा निर्गत की गयी है**,** जिसके मद संख्या-08-मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास के अन्तर्गत क्रमांक-313 पर अंकित है, जिसका अनुमानित लागत रू0 1000.00 लाख एवं अनुमानित व्यय रू0 200.00 लाख है।

4- प्रस्तावित परियोजना जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु पी0एफ0ए0डी0 द्वारा मूल्यांकित लागत रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशित जी0एस0टी0 सहित) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा कार्य योजना में अनुमानित व्यय के अनुसार प्रथम किश्त के रूप में रू0 200.00 लाख (रू0 दो करोड़ मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु नोट-27 पर वित्त विभाग का अनुमोदन तथा नोट सं0-31 पर आलेख पर अशासकीय संख्या-ई-7-376/दस-2023-24 दिनांक 28.12.2023 अंकित करते हुए सहमति प्रदान किया गया है।

5- उल्लेखनीय है कि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-3 के शासनादेश सं0-2/2017/बी-3-1034-दस-2017-100(4)/2020-ब0मै0, दिनांक 21.11.2017 के प्रस्तर-2(2) में बजट मैन्युअल के पैरा-94 में निम्नवत् व्यवस्था की गयी है :-

''**जहां धनराशि रू0 10.00 करोड़ से अनधिक हो वहां विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।**''

6- अत: जनपद सहारनपुर के मौ0 कायस्थवाड़ा देवबन्द स्थित श्री राधाबल्लभ मंदिर के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु पी0एफ0ए0डी0 द्वारा मूल्यांकित लागत रू0 613.54 लाख (18 प्रतिशित जी0एस0टी0 सहित) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा कार्य योजना में अनुमानित व्यय के अनुसार प्रथम किश्त के रूप में रू0 200.00 लाख (रू0 दो करोड़ मात्र) को अवमुक्त किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 के लेखा शीर्ष 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय, 80-सामान्य, 104-सर्वधन तथा प्रचार 08-मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास, 24-वृहद् निर्माण मद से आलेख निर्गत किये जाने के पूर्व उ0 प्र0 बजट मैनुअल के पैरा-94 के तहत मंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है।

कृपया सहमति की दशा में यथा माध्यम पत्रावली मा0 मंत्री जी को प्रस्तुत करना चाहें।